পাঠ
पाठ 17

দুর্গাপূজা

শর্মা : মিত্রবাবু, কাল রেডিওতে মহালয়ার অনুষ্ঠান শুনলাম। খুব ভাল লাগল।

মিত্র : দুর্গাপূজা তো এসেম্প গেল। আর তো মাত্র কিছুদিন বাকী। আপনি এবার পূজোতে কোলকাতায় থাকছেন নাকি?

শর্মা : শুনেছি, দুর্গাপূজা বাঙালিদের সবচেয়ে বড় উৎসব। এবারে প্রথম কোলকাতায় থাকার সুযোগ পেয়েছি। আমি এ সুযোগ হাতছাড়া করছি না। ভাবছি এবার পূজোতে কোলকাতায় থাকব। বাঙালিদের দুর্গাপূজা সম্পর্কে আমার কোনো ধারণাম্প নেম্প।

মিত্র : আজকাল বেশীরভাগ পূজোম্প বারোয়ারী ভাবে হয়। তবে এখনও কিছু কিছু পারিবারিক পূজোও চালু আছে।

শর্মা : আচ্ছা, বারোয়ারী ব্যাপারটা কি? কিভাবে এম্প পূজো করা হয়?

दुर्गापूजा

शर्मा : मित्रबाबू, कल रेडियो में मैंने महालया का कार्यक्रम सुना। बहुत अच्छा लगा।

मित्र : दुर्गापूजा तो आ ही गई है। केवल कुछ दिन ही बाकी है। पूजा में इसबार आप कोलकाता में रूकेंगे क्या?

शर्मा : सुना है दुर्गापूजा बंगालियों का सबसे बड़ा उत्सव है। इस बार कोलकाता में रहने का सुअवसर पहली बार मिला है। मैं इस अवसर को हाथ से नहीं जाने दूँगा। सोच रहा हूँ इस बार कोलकाता में ही रहूँ। बंगालियों की दुर्गापूजा के संबंध में मेरी कोई जानकारी ही नहीं है।

मित्र : आजकल यह पूजा सार्वजनिक रूप से मनाई जाती है। कोई लोग इसे पारिवारिक स्तर पर भी मनाते हैं।

शर्मा : अच्छा, यह सार्वजनिक पूजा क्या है? इसे किसप्रकार मनाया जाता है?

মিত্র : বারোয়ারী মানে সর্বজনীন। সবাম্প মিলে চাঁদা তুলে পূজোর আয়োজন করে। পূজোর প্রায় একমাস আগে থেকেম্প চাঁদা তোলা শুরু হয়।

शर्मा : দুর্গাপূজা কিভাবে পালন করা হয়?

মিত্র : আশ্বিন মাসের শুক্লা ষষ্ঠীর দিন দেবী দুর্গার বোধন হয়। তারপর সপ্তমী, অষ্টমী ও নবমী তিনদিন ধরে পূজো হয়। এম্প কদিন সকলে নতুন জামাকাপড় পরে। পূজোর কঁাদিন চারিদিক আলো দিয়ে সাজানো হয়। পূজোর সময় বিভিন্ন মণ্ডপে সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানের আয়োজন করা হয়। মণ্ডপে মণ্ডপে প্রচণ্ড ভীড় হয়। দল বেঁধে সকলে এম্প কদিন আসে প্রতিমা দেখতে ও মণ্ডপ সজ্জা দেখতে। দশমীর দিন প্রতিমা বিসর্জন দেওয়া হয়। সেদিন সবাম্প পরস্পরকে প্রীতি ও শুভেচ্ছা বিনিময় করে। সবাম্প বড়দের প্রণাম করে। সমবয়স্ক লোকেরা কোলাকুলি করে।

शर्मा : তাহলে দেখছি, দুর্গাপূজার উৎসব পশ্চিমবঙ্গে বেশ জাঁকজমক সহকারে

मित्र : सार्वजनिक का अर्थ है सभी लोगों की। सब लोग मिलकर चंदा इकट्ठा करके पूजा का आयोजन करते हैं। पूजा के लगभग एक महीने पहले ही चन्दा उगाहना शुरु हो जाता है।

शर्मा : दुर्गापूजा कैसे मनाई जाती है?

मित्र : आश्विन महीने में शुक्लपक्ष की छठी के दिन देवी दुर्गा की पट स्थापना की जाती है। उसके बाद सप्तमी, अष्टमी और नवमी तीन दिन तक पूजा होती हैं। इन दिनों सभी लोग नये-नये कपड़े पहनते हैं। पूजा के दिनों में चारों ओर प्रकाश करके सजावट की जाती है। पूजा के समय विभिन्न मंडपों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। मंडपों में बहुत भीड़ होती है। सभी लोग इन दिनों प्रतिमाओं के दर्शन करने और मंडप की सजावट देखने आते हैं। दशमी के दिन प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है उस दिन सभी लोग परस्पर शुभकामनाओं का आदान प्रदान करते हैं। सभी अपने बड़ों को प्रणाम करते हैं और समवयस्क परस्पर गले मिलते हैं।

शर्मा : इससे तो लगता है दुर्गापूजा पश्चिम बंगाल में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

मित्र : आप इस बार की दुर्गापूजा में यहीं रह जाइए और घूम-फिरकर सारे

	পালন করা হয়।	दृश्य देखिए। तब आपको दुर्गापूजा के विषय में और भी अधिक जानकारी मिल जाएगी।
মিত্র :	আপনি এবারের দুর্গাপূজোয় এখানে থেকে যান আর ঘুরে ফিরে সব দেখুন। তাহলে আপনার দুর্গাপূজো সম্বন্ধে আরো পরিষ্কার ধারণা হবে।	

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
মহালয়া	शारदीय दुर्गापूजा के पूर्व अमावस्या पर होनेवाला संगीतमय आयोजन
গেল	गया
থাকছেন	रह रहे हैं
উৎসব	उत्सव
এবারে	इसबार
সুযোগ	अवसर, सुयोग
বারোয়ারী	सार्वजनिक
পারিবারিক	पारिवारिक
সর্বজনীন	सार्वजनिक
তোলা	उगाहना
কিভাবে	कैसे
আশ্বিন	आश्विन
শুক্লা	शुक्ल
ষষ্ঠী	षष्ठी, छटी

দেবী	देवी
বোধন	घट स्थापना, वंदना
সপ্তমী	सप्तमी
অষ্টমী	अष्टमी
নবমী	नवमी
মণ্ডপ	मंडप
বিসর্জন	विसर्जन
শুভেচ্ছা	शुभकामना
বিনিময়	आदान प्रदान
সমবয়স্ক	समान उम्र के
জাঁকজমক	धूमधाम
সহকারে	के साथ
ধারণা	जानकारी
কোলাকুলি করা	गले मिलना
সাজানো	सजा हुआ
সাংস্কৃতিক	सांस्कृतिक
অনুষ্ঠান	अनुष्ठान
আয়োজন	आयोजन
সম্বন্ধে	संबंधित

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. পূজোর আগে চাঁদা তোলা হয়। (চাওয়া হয়, দেওয়া হয়)
2. মণ্ডপ সাজানো হয়। (তৈরী হয়, বাঁধা হয়)
3. প্রতিমা মণ্ডপে মণ্ডপে রাখা হয়। (তোলা হয়, দেখা হয়)
4. নতুন জামাকাপড় পরা হয়। (কেনা হয়, দেওয়া হয়)
5. কাপড় কাচা হয়। (কেনা হয়, ধোওয়া হয়)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. বাসে করে বেনারস ____________ । (যাওয়া যায়, যাওয়া হয়)
2. আশ্বিন মাসে দুর্গাপূজা ____________। (করা যায়, করা হয়)
3. রেডিওর খবর বাংলায় ____________ । (পড়া হয়, পড়া যায়)
4. পূজোর সময় নতুন কাপড় ________ । (পরা যায়, পরা হয়)
5. রবীন্দ্রনাথকে বিখ্যাত লোক হিসেবে ________ । (মানা যায়, মানা হয়)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(দেখা যায়, করা হয়, যাওয়া যায়, আয়োজন হয়, খাওয়া হয়)

1. বসন্তকালে সরস্বতী পূজো ____________।
2. শরৎকালে আকাশে মেঘ ____________ ।
3. পাঁচ বছর অন্তর নির্বাচনের ____________।
4. প্রতিদিন রাত্রে রুটি ____________।
5. আজকাল সব জায়গায় বাসে ____________ ।

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. প্রত্যেক বছর মিটিং-এর আয়োজন করা হয়।
2. রমেশের বাড়ীতে গান গাওয়া হয়।
3. অনেক রাত্রি পর্যন্ত পড়া যায়।
4. দিনের বেলা আলো জ্বালানো হয়।
5. অনেকদিন মণ্ডপে প্রতিমা রাখা হয়।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. জানলা দিয়ে আকাশ দেখা ____________ ।
2. শীতকালে গরমের পোষাক পরতে ____________ ।
3. গরমকালে পাখা চালানো ____________ ।
4. গরমকালে ছাদে শোওয়া ____________ ।
5. সূর্য অস্ত গেলে চারিদিক অন্ধকার হয়ে ____________ ।
6. শরৎকালের আকাশ খুব সুন্দর ____________ ।
7. পূজোর সময় নতুন পোষাক কেনা ____________ ।
8. রামবাবুদের বাড়িতে ____________ পূজা ____________ ।
9. শরৎকালে শিউলিফুল ____________ ।
10. সবাস্পকে শুভেচ্ছা জানানো ____________ ।

पढ़िए और समझिए :

শরৎচন্দ্র চট্টোপাধ্যায় शरत चंद्र चट्टोपाध्याय

শরৎচন্দ্র চট্টোপাধ্যায় বাংলা সাহিত্যের একজন দিকপাল লেখক হিসেবে পরিগণিত। গল্পের এবং উপন্যাসের কাহিনী তাঁর নিজের জীবনের অভিজ্ঞতা থেকে লব্ধ। তাম্প তা জীবন্ত। ছোৗবেলা থেকে তিনি নানাস্থানে ঘুরে বেড়িয়েছেন। তাঁর ভবঘুরে জীবনের অভিজ্ঞতার ফল 'শ্রীকান্ত' আত্মজীবনীমূলক উপন্যাস। শরৎচন্দ্র হুগলী জেলার দেবানন্দপুরে জন্মগ্রহণ করেন কিন্তু শৈশব ও কৈশোর কাৗে মামার বাড়ি ভাগলপুরে। 'শ্রীকান্ত'র অনেক ঘৗনা এম্প ভাগলপুরের অভিজ্ঞতা থেকে পাওয়া। যৌবনে তিনি যাত্রা করেন রেঙ্গুনে। সেখানে বেশ কিছু কাল অতিবাহিত করেন। রেঙ্গুনের অভিজ্ঞতা থেকে পাওয়া যায় রাজনৈতিক উপন্যাস 'পথের দাবী' এবং সামাজিক উপন্যাস 'চরিত্রহীন'। রেঙ্গুনে থাকাকালেম্প শরৎচন্দ্র বাংলা সাহিত্যের একজন গণ্যমান্য লেখক হিসেবে পরিণত হন। রেঙ্গুন থেকে ফিরে শরৎচন্দ্র হাওড়ার শিবপুরে স্থায়ী ভাবে বসবাস শুরু করেন। এম্প সময়ে তিনি রাজনীতিতেও অংশ গ্রহণ করেন। কংগ্রেসের সঙ্গে শরৎচন্দ্রের বিশেষ যোগাযোগ ছিল। সমাজের অবহেলিত মানুষ এবং নারীর মর্যাদা শরৎচন্দ্রের লেখার উল্লেখযোগ্য বৈশিষ্ট্য।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
সাহিত্য	साहित्य
দিক্পাল	श्रेष्ठ
পরিগণিত	परिगणित
নিজের	अपना
অভিজ্ঞতা	अनुभव

ভবঘুরে	घुमक्कड़
শৈশব	शैशव, बचपन
ঘটনা	घटना
যৌবনে	यौवन में, जवानी में
যাত্রা	यात्रा
কাল	समय
গণ্যমান্য	जाने माने
পরিচিত	परिचित
উপন্যাসের	उपन्यास का
কাহিনী	कहानी
লব্ধ	प्राप्त होना
জীবন্ত	जीवंत
ফল	फल
আত্মজীবনীমূলক	आत्मकथा
কৈশোর	किशोर अवस्था
অতিবাহিত	व्यतीत
অবহেলিত	अवहेलित, उपेक्षित
মর্যাদা	मर्यादा
বৈশিষ্ট্য	विशेषता

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. শরৎচন্দ্রের সাহিত্য জীবন্ত, তার কারণ কি?
2. শরৎচন্দ্রের আত্মজীবনীমূলক উপন্যাসের নাম কি?
3. যৌবনে শরৎচন্দ্র কোথায় যান?
4. শেষ জীবন শরৎচন্দ্র কোথায় অতিবাহিত করেন?
5. শরৎচন্দ্রের লেখার প্রধান বৈশিষ্ট্য কি?

II. नीचे दिए गए वाक्यों में से समानार्थक शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. শিবাজী মহারাষ্ট্রের রাজা হিসাবে পরিগণিত হন।
2. রাজীব খুব ভবঘুরে প্রকৃতির মানুষ।
3. রবীন্দ্রনাথ দিক্‌পাল ব্যক্তি।
4. দার্জিলিঙে প্রচুর পরিমান কমলালেবু পাওয়া যায়।
5. রবীন্দ্রনাথ বহুদিন শিলঙে কাটান।
6. মৃণালের অকারণেই বহু জায়গায় ঘুরে বেড়ানোর অভ্যাস।
7. রামচন্দ্র চোদ্দ বছর বনবাসে অতিবাহিত করেন।
8. মহাত্মা গান্ধী 'বাপুজী' নামে গন্য হন।
9. নিউটন বিখ্যাত ব্যক্তি হিসাবে পরিচিত।
10. এখন অভিজ্ঞতা লব্ধ জ্ঞানী ব্যক্তি দেখা যায় না।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

জীবন লব্ধ অভিজ্ঞতা ও সত্য প্রত্যেক মানুষকে শিক্ষা দিয়ে যায়। প্রত্যেক ব্যক্তিই শৈশবে সম্পূর্ণ অপরিচিত পরিবেশ থেকেই জীবনের শিক্ষা লাভ করে। এই শৈশবের

শিক্ষা যৌবনে গিয়েম্প বাস্তবজীবনে কাজে লাগে। শৈশবে নিজের পরিবার থেকে, বিদ্যালয় থেকে যে শিক্ষা হয় তা দিয়েম্প পরবর্তী পারিবারিক জীবন সুন্দরভাবে অতিবাহিত হয়। এম্প শিক্ষা কর্মজীবনেও অনেক সুযোগ এনে দেয়। শৈশব ও যৌবনেম্প আমাদের ভবিষ্যৎ জীবনের জন্য সঠিক আয়োজন করা হয়। আমাদের শৈশবেম্প শিক্ষা দেওয়া হয় -- ঘরে বাম্পরে, গন্য-মান্য, গুরুজন ব্যক্তিদের প্রণাম করা, যে কোনো পরিবেশ নিয়ন্ত্রণ করা, ছোটদের স্নেহ করা, জীবনে সংযম আনা প্রভৃতি । উৎসব অনুষ্ঠানে গন্যমান্য ব্যক্তি এবং সমবয়স্কদের সঙ্গে সম্পর্ক স্থাপন করা। এম্পভাবে আমাদের সংস্কৃতি ও সভ্যতা দিয়ে আমাদের জীবন সাজানো হয়।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

विश्व की प्रत्येक भाषा में कुछ साहित्यकार कालजयी होते हैं। उनका लेखन सदा नवीन रहता है। साहित्यकार जो भी लिखता है वह उसके समय का सत्य होता है। इसीलिए उसे अपने समय का सच्चा प्रतिनिधि माना जाता है।

कई बार कुछ संस्थाएँ श्रेष्ठ साहित्यकारों के सम्मान में विशेष समारोहों का आयोजन करते हैं। फूलमालाओं, गुलदस्तों और शाल, श्रीफल से उनका स्वागत सम्मान किया जाता है।

हमें ऐसे साहित्यकारों पर गर्व है। साहित्यकार का सम्मान संस्कृति के रक्षक के सम्मान जैसा माना जाता है।

हम अपनी दिनचर्या में पुस्तकें पढ़ने को भी शामिल करें। अच्छी पुस्तकें पढ़ें। पुस्तकें पढ़ने से हमारा ज्ञान बढ़ जाता है। पुस्तकें हमारी अच्छी मित्र और गुरु मानी जाती हैं।

V. मान लीजिए वर्तमान में आप शिक्षा मंत्री के पद पर आसीन हैं। आप शिक्षा व्यवस्था में क्या-क्या परिवर्तन लाना चाहेंगे, उस के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में संयुक्त क्रियावाले वाक्यों का प्रयोग सिखाया गया है। इस पाठ में आनेवाली संयुक्त क्रियाओं को गठन की दृष्टि से निम्नलिखित भागों में बाँट सकते हैं। जैसे :

I. संज्ञा + क्रिया

আয়োজন করে	आयोजन कर के
প্রণাম করে	प्रणाम कर के

II. क्रियात्मक संज्ञा + क्रिया

সাজানো হয়।	सजाना है।
কেনা হয়।	खरीदना है।

III. संज्ञा + क्रियात्मक संज्ञा + क्रिया

আয়োজন করা হয়।	आयोजन करना (होता) है। / आयोजन किया जाता है।
বিসর্জন দেওয়া হয়।	विसर्जन करना (होता) है। / विसर्जित किया जाता है।

IV. असमापिका क्रिया + क्रिया

থেকে যান।	रुक जाइए।
বসে পড়ল।	बैठ गया है।

V. संयुक्त क्रिया का अंतिम भाग सदा कर्ता के अनुसार रूप प्राप्त करता है। किन्तु मुख्य क्रिया का अर्थ उसके पूर्व में विद्यमान संज्ञा, क्रियात्मक संज्ञा या असमापिका क्रिया ही वहन करती हैं।

ऐसी क्रियाओं का निषेधात्मक रूप बनाने के लिए अंतिम क्रिया के बाद 'না' (ना) 'নি' (नि) लगाते हैं। जैसेः

আয়োজন করা হয় না।	आयोजन नहीं करना है।
বসে পড়েনি।	नहीं बैठ गया।

VI. इस पाठ में कर्मवाच्य के वाक्यों का भी परिचय दिया गया है। जैसेः

মণ্ডপে সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানের আয়োজন করা হয়।
मंडपों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

দুর্গাপূজা পশ্চিমবঙ্গে খুব ধুমধামের সাথে পালন করা হয়।
दुर्गापूजा पश्चिम बंगाल में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

ব্যাঙ্গালোর কি বাসে করে যাওয়া যায়?
क्या हम बस से बैंगलोर जा सकते हैं?

ध्यान दें कि, बंगला में कर्मवाच्य के वाक्य बनाने के लिए मुख्य क्रिया के भूतकालिक कृदंत रूप के बाद হয় (हय) अथवा যা (जा) क्रिया के विविध रूप काल के अनुसार प्रयुक्त होता है।